>

Title: Drought situation in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस सीट से बोलने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

MR. SPEAKER: Yes.

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने दो मामलों पर नोटिस दिया था। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Yes, on the drought situation in Madhya Pradesh.

---

* Not recorded.

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के दो-तिहाई जिलों में भयंकर अकाल, भुखमरी और पेयजल के अभाव के कारण आदमियों और जानवरों का पलायन शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश के 38 जिलों और 163 तहसीलों में भयंकर सूखा और पेयजल संकट है। आदमी एवं पालतू जानवर दोनों बड़ी संख्या में पलायन कर रहे हैं। सबसे बुरा हाल गरीबों का है, एक तरफ महंगाई ने उनका आटा गीला कर रखा है। दूसरी तरफ केन्द्र सरकार ने खाद्यान्न में भी कटौती कर दी है। केन्द्रीय अध्ययन दल ने भी वहां की भयावह स्थिति को देखा है, लेकिन राजनीतिक कारणों से केन्द्र सरकार ने अभी तक फूटी कौड़ी भी नहीं दी है। मैं जानना चाहता हूं जब लोग भूख और प्यास से मर जाएंगे, क्या तब उनकी मदद की जाएगा? राज्य सरकार ने अपने सीमित साधनों से भूख और पानी के कारण हो रहे पलायन को रोकने के लिए, पानी का परिवहन तथा भूख से लोगों को बचाने के लिए 3 रूपये प्रति किलो में गेहूं तथा साढ़े चार रूपये प्रति किलो में चावल उपलब्ध कराने का काम शुरू कर दिया है। जिन जिलों में अकाल तथा भीषण पेयजल संकट है, वहां की लगभग 50 से 60 फीसदी आबादी गरीबी रेखा में शामिल है। मैं केन्द्र से तत्काल सहायता की मांग करता हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए धन्यवाद।